E-Book - उद्यम लगाने की विस्तृत जानकारी

Solar Powered
Small Grains Processing Unit

भूमिका: गाँव के किसानों के लिए एक नया अवसर

भारत के गाँवों में आज भी लाखों किसान साल भर की खेती के बाद अपने परिवार के लिए अनाज, धान, सरसों आदि का भंडारण करते हैं। लेकिन ये अनाज सीधे उपयोग लायक नहीं होते। उन्हें आटा, चावल या तेल में बदलने के लिए प्रसंस्करण (Processing) की आवश्यकता होती है। अब यह प्रसंस्करण काम गाँव के ही उद्यमी, गाँव के ही स्तर पर कर सकते हैं — वो भी बिना भारी बिजली खर्च के, सौर ऊर्जा से।

यह एक ऐसा स्थानीय उद्यम मॉडल है, जो किसानों को भी सुविधा देता है, और गाँव के युवाओं को रोज़गार व स्वरोजगार का अवसर देता है।

⚙ **उद्यम की मूल अवधारणा** यह इकाई तीन प्रमुख प्रसंस्करण सेवाएँ देगी:

1. आटा चक्की सेवा (गेहूं, मक्का, चना आदि के लिए)
2. धान से चावल निकालने की सेवा (Mini Rice Mill)
3. बीज से तेल निकालने की सेवा (Mini Oil Expeller)

यह पूरी इकाई सोलर सिस्टम से संचालित होगी, जिससे बिजली का खर्च लगभग शून्य हो जाएगा।

☀ ऊर्जा व्यवस्था: 100% सोलर संचालित इकाई

उपयोग	**क्षमता**
कुल सौर ऊर्जा प्रणाली	25 किलोवॉट
एक मुख्य मोटर	15 HP (सभी मशीनें ऑपरेट करने के लिए)

⚡ इस सेटअप से बिजली बिल से छुटकारा और बिजली कटौती से भी मुक्ति मिलती है।

🏭 उपकरण और मशीनें (Machinery Details)

मशीन का नाम	**क्षमता**	**आवश्यक शक्ति**
आटा चक्की	120 किलो/घंटा	10 HP
मिनी राइस मिल	4–5 क्विंटल/घंटा	12 HP
मिनी ऑयल एक्सपेलर	20–25 किलो बीज/घंटा	7.5 HP
कंट्रोल पैनल और ट्रांसमिशन सिस्टम	मल्टी कनेक्शन हेतु	15 HP से लिंक
सोलर कंट्रोलर	हाई एफिशिएंसी	25 KW के अनुरूप

🔧 कार्य करने की प्रक्रिया (प्रति ग्राहक सेवा पर आधारित)

उत्पाद	**किसान लाएगा**	**सेवा मिलेगी**	**किसान को मिलेगा**
गेहूं/चना/मक्का	अनाज	आटा पिसाई	शुद्ध आटा
धान	कच्चा धान	चावल निकालना	चावल
सरसों/तिल	बीज	तेल निकासी	तेल + खल्ली

हर सेवा के बदले शुल्क तय होगा (₹2–₹7 प्रति किलो तक)

📦 सेवा आधारित मॉडल – लाभ और स्थायित्व

- किसान को समय और यात्रा की बचत
- उद्यमी को स्थिर आमदनी
- बिजली नहीं तो भी काम रुकेगा नहीं (सौर ऊर्जा)
- मशीनें मल्टी यूज़ हैं, अलग-अलग मौसम में अलग सेवा
- कस्टमर बेस गाँव का हर किसान — मांग बनी रहती है

💰 अनुमानित लागत (Estimated Investment)

मद	लागत (₹ में)
मशीनरी (आटा, राइस मिल, एक्सपेलर)	₹4.5 – ₹6 लाख
सोलर सिस्टम (25KW)	₹9 – ₹10 लाख
शेड/भवन निर्माण	₹2 – ₹4 लाख
टूल्स, वायरिंग, इंस्टालेशन	₹1 लाख
रजिस्ट्रेशन और परमिट	₹10,000
कुल लागत	₹19 – ₹21 लाख

💡 PMFME & AIF जैसी सरकारी योजनाओं से 35% पूंजी सब्सिडी और ब्याज सब्सिडी पर 6% की छूट भी मिल सकती है।

📈 प्रतिदिन कमाई (सेवा शुल्क आधारित)

सेवा	प्रतिदिन ग्राहक	औसत शुल्क/किलो	प्रतिदिन कमाई
आटा पिसाई	400 किलो	₹2	₹800
राइस मिल	500 किलो	₹1	₹500
तेल निकासी	150 किलो	₹5	₹750
कुल अनुमानित आय			₹2050 – ₹4,000/दिन
मासिक लाभ (घटाकर खर्च)			**₹40,000 – ₹60,000**

📜 आवश्यक लाइसेंस और कागज़ात

- Udyam रजिस्ट्रेशन (MSME हेतु)
- FSSAI लाइसेंस (तेल, आटा बिक्री हेतु)
- पंचायत / नगर पंचायत अनुमति
- बैंक लोन हेतु DPR (रूरल हब से सहायता ले सकते हैं)

📢 बिक्री व मार्केटिंग

- आस-पास के किसानों को सेवा की जानकारी दें
- किराना दुकानों से टाई-अप करें (तेल/आटा थोक बिक्री हेतु)
- स्वं सहायता समूह (SHG), FPO को जोड़ें
- ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रचार करें
- “ग्रामीण सर्विस सेंटर” के रूप में ब्रांडिंग करें

🔍 तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता

Rural Hub Innovations Limited
🌾 Training | Legal | Subsidy | DPR | Banking
📱 +91 8127271673 📧 Email: ruralhubindia@gmail.com 🌐 Website: www.ruralhub.org

Smart Rural Machinery & Solar Systems:
🚜 Installation | AMC | Solar-Driven Units
📱 +91 8423088849
📧 Email: ruralmechworks@gmail.com
🌐 Website: www.ruralmechworks.com

यदि आप गाँव के युवा हैं, SHG से जुड़े हैं या एक छोटे किसान परिवार से हैं — तो यह उद्यम आपके लिए है। यह ना केवल आपको आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि पूरे गाँव को भी सस्ती और नज़दीकी सेवा प्रदान करता है।

सौर ऊर्जा + स्मार्ट मशीनें + गाँव का जुड़ाव = एक टिकाऊ, मुनाफेदार और सम्मानजनक उद्यम